अनुवाद प्रक्रिया (Translation Proses)

किसी भी एक कार्य को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए तैयारी के साथ आगे बढना होता है । यह तैयारी कार्य में आनेवाली बाधाओं को ध्यान में रख कर की जीती है तो और भी सुविधा होगी । सैद्धाँतिक दृष्टि से अनुवाद कैसे होता है का निर्वैयक्तिक विवरण ही **अनुवाद की प्रक्रिया** है ।

नाइडा के अनुसार अनुवाद प्रक्रिया के तीन सोपान (Steps) **हैं -**

1. स्रोत भाषा का पठन तथा अर्थग्रहण ।
2. लक्ष्यभाषा में अनुवाद ।
3. दोनों भाषाओं की तुलना एवं संपादन ।

(१) **स्रोत भाषा का पठन तथा अर्थग्रहण -**

इस प्रक्रिया में स्त्रोत भाषा के व्याकरण का और विशेष रूप से वाक्य संरचना तथा वाक्यों से व्यक्त सभी तरह के संभावित अर्थों को ग्रहण किया जाता है । यह प्रक्रिया अनुवादक के मनोमस्तिष्क में ही चलती रहती है । वह यथावश्यक भौतिक साधनों की भी सहायता ले सकता है ।

जितनी सावधानी और गंभीरता से कोई अनुवादक स्त्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण करेगा और तदनुसार अर्थग्रहण करेगा, उसका कार्य उतना ही आसान और सराहनीय हो जाएगा । क्योंकि यह अर्थबोधन का चरण है, जिस पर अनुवाद कार्य की आधारशिला अवस्थित होती है ।

(२) **लक्ष्यभाषा में अनुवाद -**

अर्थबोध हो जाने के पश्चात् संदेश का लक्ष्यभाषा में संक्रमण होता है । इस चरण में दोनों भाषाओं की व्याकरणिक संरचना आदि की तुलना की जाती है । यह भी अनुवादक के मस्तिष्क में चलने वाली प्रक्रिया है । इस प्रक्रिया में अनुवादक उपयुक्त पर्यायों का चयन करता है । कई संभावनाओं पर विचार करते हुए एक उपयुक्त अथवा मूल संदेश या अर्थ के सर्वाधिक निकट या पर्याय का चयन करता है ।

(३) **दोनों भाषाओं की तुलना एवं संपादन -**

यह अनुवाद-प्रक्रिया का तीसरा तथा अंतिम चरण है । इसमें अर्थांतरण के पश्यात् प्राप्त अनुदित पाठ का पुनर्गठन किया जाता है । इस पुनर्गठन में कई बातें समाहित हैं - लक्ष्यभाषा की व्याकरण-सम्मतता, सहजता, स्पष्टता, श्रुतिमधुरता आदि । लक्ष्यभाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप अनुदित पाठ का पुन: गठन किया जाता है ।

नाइडा न्यूमार्क तथा बाथगेट के अनुवाद-प्रक्रिया के समाहित सोपान -

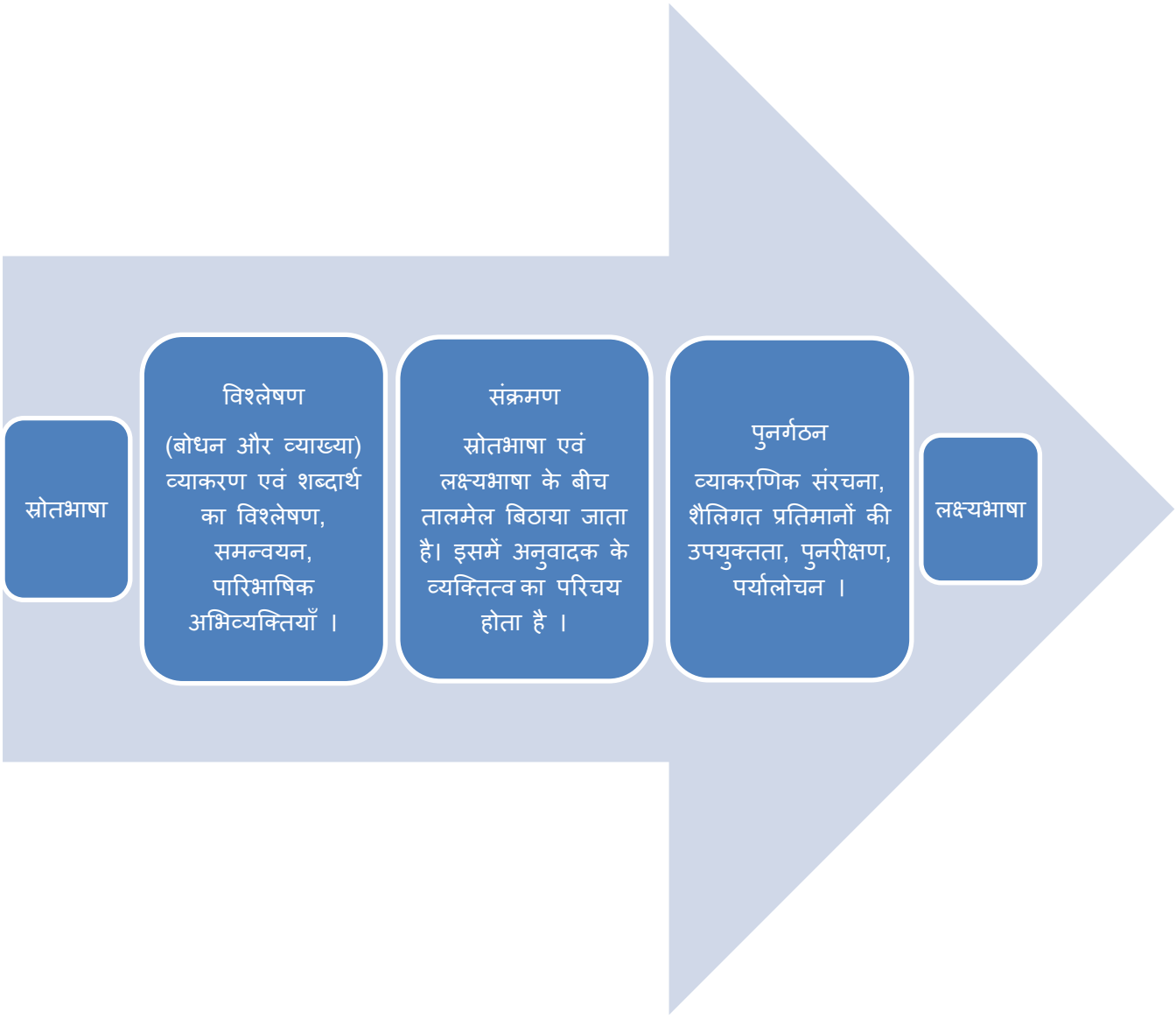

अनुवाद के कुछ सामान्य नियम -

अँग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने के पहले निम्नलिखित कुछ सामान्य नियमों से अच्छी तरह परिचित हो जाना चाहिए । फिर इनके आधार पर हिंदी-अनुवाद का अभ्यास करना चाहिए । अनुवाद की निश्चित रीति बताना संभव नहीं है क्योंकि शब्दों की तरह वाक्यों की रचना भी अनन्त होती है । लेकिन निम्नलिखित बातों को ध्यान में रख कर अनुवाद का अभ्यास किया जा सकता है :-

(1) अँग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करते समय अपनी भाषा की पद-संघटना तथा वाक्य-रचना की रक्षा करनी चाहिए । हिंदी में पहले कर्त्ता, फिर कर्म और अन्त में क्रिया-पद आते हैं;

जैसे- An ideal student (subject) prepares (verb) his daily lessons (object).
इसका अनुवाद इस प्रकार होगा- 'आदर्श छात्र (कर्ता) अपने दैनिक पाठ (कर्म) प्रस्तुत करता है (क्रिया)।' अँग्रेजी की वाक्य-रचना में पहले कर्ता, फिर क्रिया और अन्त में कर्म-पद आते हैं । अनुवाद करते समय दो भाषाओं की वाक्य-रचना के इस अन्तर को अच्छी तरह स्मरण रखना चाहिए ।

(2) अनुवाद करते समय मूल भाषा में आये एकाध शब्द को छोड़ा भी जा सकता है । ऐसा करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि मूल वाक्य का पूरा अर्थ विकृत न होने पाये । उदाहरणार्थ -

There lived a saint, named Tukaram.	तुकाराम नामक एक सन्त रहते थे ।
It is raining.	वर्षा हो रही है ।
It was 6 o'clock in the morning.	प्रातः काल के छह बजे थे ।

(3) आवश्यकतानुसार अनूदित वाक्य-विन्यास में एकाध नये शब्द अलग से जोडे भी जा सकते हैं । इससे वाक्य-रचना में प्रवाह आ जाता है और वाक्य जानदार हो जाता है । लेकिन अपनी ओर से नये शब्दों का प्रयोग करते समय अधिक-से-अधिक सावधान रहना चाहिए । ऐसा न हो कि अनावश्यक शब्दों का प्रयोग हो जाय ।
जैसे- What are you about ?
इसका अनुवाद होगा- 'आप किस उधेडबुन में हैं ?'
'आप किस चक्कर में हैं ?'
'आप किस सोच में पडे हैं ?'
'आप किस बात में लगे हैं ?'
अँग्रेजी के एक वाक्य का अनुवाद प्रसंगानुसार इन वाक्यों में किया जा सकता है ।

(4) कभी-कभी ऐसे अवसर आते हैं जब कि अँग्रेजी के कई शब्दों का अनुवाद हिंदी के एक ही शब्द द्वारा हो सकता हैं; जैसे-

I am at loss to determine what to do.	मैं किंकर्त्तव्यविमूढ हूँ ।
He is the black-sheep of our family.	वह हमारे वंश का कुलांगार है ।
He had an apology for a meal.	उसने नाममात्र का भोजन किया ।
The old man is at the point of death.	वृद्ध पुरुष मरणासन्न है ।

(5) इसके विपरीत कभी-कभी अँग्रेजी के शब्द का अनुवाद हिंदी के कई शब्दों के प्रयोग द्वारा होता है । खास कर अँग्रेजी के मुहावरों और कहावतों का प्रयोग करते समय हिंदी में बडी सावधानी रखनी पडती है ।

उदाहरणार्थ -

He talks big.	वह बडी-बडी बातें करता है ।
He is a turn-coat.	वह अपने सिद्धान्तों पर अटल नहीं रहता ।
Might is right.	जिसकी लाठी, उसकी भैंस ।
A bad workman quarrels with his tools.	नाच न जाने आँगन टेढा ।

(6) अँग्रेजी के सामासिक शब्दों (Compound words) का अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हिंदी में उनके अपने शब्द हैं या नहीं । यहाँ कुछ शब्दों के हिंदी-पर्याय दिये जा रहे हैं, जिनका प्रयोग हिंदी अनुवाद में किया जा सकता हैं :-

Eye-sore	आँखों का काँटा	Spring-time	वसन्त-काल
New-born baby	नवजात शिशु	World-wide	विश्वव्यापी
Mean-spirited	लघुचेता	Sharp-sighted	सूक्ष्मदर्शी
Heart-rending	हृदय-विदारक	Lack-lustre	दीप्तिहीन
Globe-trotter	भू-पर्यटक	Pain-killer	वेदना-नाशक ।

(7) अँग्रेजी के वाक्य-खण्डों (Clauses) का अनुवाद करते समय भी अपनी भाषा की प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए । हो सकता है कि मूल वाक्य-खण्ड का अनुवाद हिंदी के एक शब्द में हो जाय या अनेक शब्दों का प्रयोग करना पडे । हर हालत में हिंदी भाषा की प्रकृति का ख्याल रखना पडेगा ।

यहाँ कुछ उदाहरण दिये जा रहा हैं -

Merits and demerits	गुण-दोष	Sleight of hand	हस्त-कौशल
Greed of money	धन-लिप्सा	Sailing in the air	गगन-विहारी
Dear as life	प्राणप्रिय	Wild with fear	भयाकुल
The Iron Age	कलियुग	A boarding house	छात्रावास
A man of rank	प्रतिष्ठित पुरुष	Absorbed in meditation	ध्यान-मग्न

The struggle for existence जीवन-संघर्ष

(8) हिंदी-अनुवाद में सबसे बडी कठिनाई अँग्रेजी मुहावरों और कहावतों के रूपान्तर में होती है, क्योंकि अँग्रेजी में इनका अपना अर्थ होता है । हिंदी और अँग्रेजी की भाषाओं में वही भेद है जो भेद दोनों के मुहावरों में है । अतः अँग्रेजी के मुहावरों का अर्थ जाने बिना उनका अनुवाद करना ठीक न होगा । सच तो यह है कि अँग्रेजी मुहावरों का हिंदी-रूपान्तर, व्यावहारिक रूप से, संभव भी नहीं है । इसलिए यह आवश्यक हैं कि पहले मूल मुहावरों के अर्थ जान लें और फिर अपनी भाषा में उनसे मिलते-जुलते मुहावरे खोजें ।

मुहावरों के स्थान पर मुहावरों की खोज करना एक मुश्किल काम है । लेकिन अनुवाद में वास्तविक प्रवाह और वाक्य-रचना में ओज लाने के लिए ऐसा करना पडता है । मूल भाषा के मुहावरों का शाब्दिक अनुवाद करना एक भारी संकट मोल लेना हैं । क्योंकि शब्दानुवाद के द्वारा मुहावरों का अनुवाद असंभव है । यहाँ अँग्रेजी के कुछ मुहावरों और कहावतों के साथ उनके हिंदी-रूपान्तर दिये गया है :-

Idioms	मुहावरे
The time is up	समय हो गया ।
He went to the next world	उसका परलोकवास हो गया ।
He is undone	उसका सर्वनाश हो गया ।
He saw the light in 1976	सन् १९७६ में उसका जन्म हुआ ।
He is laughing in the sleeve	वह मन-ही-मन हँस रहा है ।
All things were at sixes and sevens	सभी चीजें तितर-बितर हो रही थी ।
He pocketed the insult	उसने चुपचाप अपमान सहन कर लिया।
It is really a Herculean task	यह वास्तव में बडा कठिन काम है ।
I am out of pocket	मेरा हाथ खाली है ।
He moved heaven and earth	उसने आकाश-पाताल एक कर दिया ।
All is well that ends well	अन्त भला तो सब भला ।

Proverbs	कहावतें
To give tit for tat	मुँहतोड जवाब देना; जैसे को तैसा ।
As we sow, so we reap	जैसी करनी, वैसी भरनी ।
To break a bruised reed	जले पर नमक छिडकना ।
It was a nine days wonder	चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात ।
Many a little makes a nickel	बूँद-बूँद से तालाब भरता है ।
To cast pearls before swine	बन्दर क्या जाने आदरक का स्वाद ?
To be pure, everything is pure	मन चंगा तो कठौती में गंगा ।
Where there is a will, there is a way	जहाँ चाह, वहाँ राह ।
It takes two people to make a quarrel	एक हाथ से ताली नहीं बजती ।
Birds of the same feather flock together	चोर-चोर मौसेरे भाई ।
An idle mans brain is the workshop of the devil	खाली मन शैतान का अड्डा ।

(9) अनुवाद में कभी-कभी वाच्य-परिवर्तन भी किया जा सकता है । कर्मवाच्य का अनुवाद कर्तृवाच्य में और कर्तृवाच्य का अनुवाद कर्मवाच्य या भाववाच्य में कर सकते हैं । वाक्य-रचना में सुंदरता और प्रवाह लाने के लिए हम ऐसा करते हैं ।

उदाहरणार्थ -

I am unable to walk- कर्तृवाच्य ।

मुझसे चला नहीं जाता- कर्मवाच्य ।

He has been appointed as a clerk.

उसकी नियुक्ति लिपिक के पद पर हुई है ।

(10) अनुवाद में प्रत्यक्ष वाक्य (Direct Speech) और परोक्ष वाक्य (Indirect Speech) में भी परस्पर परिवर्तन किये जा सकते हैं । ऐसा करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि हिंदी में जब सरल वाक्य परोक्ष ढंग से लिखना होता है तब सर्वनाम, क्रिया या काल को बदलने की जरूरत नहीं होती, केवल 'कि' जोड देने से काम चल जाता है । अँग्रेजी में ऐसा नहीं होता । अतः परोक्ष वाक्य का अनुवाद करते समय विशेष रूप से सावधान रहना चाहिए ।

उदाहरणार्थ- प्रत्यक्ष वाक्य- राम ने कहा- मैं जाता हूँ ।

परोक्ष वाक्य- राम ने कहा कि मैं जाता हूँ ।

अँग्रेजी के परोक्ष कथन (Indirect Narration) का हिंदी अनुवाद प्रत्यक्ष वाक्य में भी आसानी से किया जा सकता है ।

जैसे :-

He said that he was going home and would return soon with his family.

इनका अनुवाद इस प्रकार किया जायेगा :-

उन्होंने कहा, "मैं घर जा रहा हूँ और शीघ्र ही सपरिवार लौटूँगा ।"

एक और उदाहरण लीजिये :-

My father asked me to be truthful and dutiful, otherwise I would not prosper in life.

मेरे पिता ने कहा- "तुम्हें सत्यवादी और कर्तव्यपरायण होना चाहिए, नहीं तो तुम जीवन में उन्नति न करोगे ।"

प्रत्यक्ष और परोक्ष वाक्यों के हिंदी-अनुवाद में बडी गडबडी दिखाई पडती है । प्रायः लोग अँग्रेजी की शैली का अंधानुकरण करते हैं । इसके बारे में श्रीयुत रामचन्द्र वर्मा ने "अच्छी हिंदी" में लिखा हैं- "अँग्रेजी व्याकरण में कथन के दो भेद किये गये हैं- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष । हमलोगों ने भी यह तत्त्व ग्रहण कर लिया है । यह हमारे लिए नितान्त निरर्थक तो नहीं है; कुछ अंशों में यह उपयोगी भी है और आवश्यक भी । पर बिना समझे-बूझे इनका प्रयोग नहीं होना चाहिए ।

एक उदाहरण लीजिये- 'उन्होंने हुक्म दिया था कि उनके मकान के सामने रोज छिडकाव हुआ करे ।' इस वाक्य में 'उनके' बहुत भ्रामक है । प्रत्यक्ष कथन के प्रकार में इसका रूप होगा- 'उन्होंने हुक्म दिया था- हमारे मकान के सामने रोज छिडकाव हुआ करे ।' परन्तु यदि इसे अप्रत्यक्ष कथन वाला रूप दिया जाय तो भी हिंदी की प्रकृति के अनुसार इसमें 'था' और 'हमारे' के बीच में केवल 'कि' आना चाहिए । 'हमारे' की जगह 'उनके' नहीं होना चाहिए ।